

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

एशियाई जूनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान की बेटी का चयन, प्रदेश में खुशी की लहर

Publisher

Published on 21 Aug 2025



एशियाई जूनियर महिला हैंडबॉल में राजस्थान की बेटी का जलवा

खेलों की दुनिया में राजस्थान का नाम एक बार फिर रोशन हुआ है। एशियाई जूनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया गया, जिसमें राजस्थान की एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी का चयन हुआ है। यह न सिर्फ खिलाड़ी के परिवार और कोच के लिए बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए गर्व की बात है।

खिलाड़ी की मेहनत और संघर्ष

राजस्थान से चयनित यह खिलाड़ी लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर हैंडबॉल खेल रही थी। छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय शिविरों तक पहुंचना उसके लिए आसान नहीं रहा। सीमित साधन, अभ्यास की कठिनाइयाँ और सुविधाओं की कमी के बावजूद उसने अपने खेल को कभी पीछे नहीं छोड़ा।

- बचपन से ही खेलों में रुचि थी।
- स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया।
- राज्य स्तरीय टूर्नामेंट्स में कई बार गोल्ड मेडल हासिल किया।
- राष्ट्रीय कैंप में ट्रेनिंग के दौरान खुद को साबित कर भारतीय टीम में जगह बनाई।

परिवार और कोच का सहयोग

हर खिलाड़ी के पीछे परिवार और कोच की बड़ी भूमिका होती है। इस खिलाड़ी के माता-पिता ने भी आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद

बेटी की प्रतिभा को पहचानते हुए उसका पूरा साथ दिया। वहीं, कोच ने लगातार उसे फिटनेस, तकनीक और खेल के प्रति अनुशासन पर ध्यान देने की सलाह दी।

एशियाई चैंपियनशिप का महत्व

एशियाई जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप एशिया का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। इसमें भाग लेने वाली टीमों में न सिर्फ एशिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तैयार करती हैं, बल्कि वर्ल्ड चैंपियनशिप में क्वालिफाई करने का भी मौका पाती हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य इस बार मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करना है।

राजस्थान के खेल इतिहास में एक नया अध्याय

राजस्थान अब तक कुश्ती, हॉकी, क्रिकेट और कबड्डी जैसे खेलों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को देश को दे चुका है। अब हॉकी में भी यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गौरवशाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस चयन से प्रदेश में हॉकी खेल को बढ़ावा मिलेगा और ज्यादा से ज्यादा बेटियां इस खेल की ओर आकर्षित होंगी।

खेल मंत्रालय और संघ की भूमिका

भारतीय हॉकी महासंघ और खेल मंत्रालय लगातार महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। बेहतर ट्रेनिंग कैंप, फिटनेस प्रोग्राम और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसी वजह से भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों में काफी बेहतर हुआ है।

खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा

यह चयन उन सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है जो छोटे कस्बों और गांवों से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना देखते हैं। यह संदेश स्पष्ट है—

- मेहनत और लगन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।
- सुविधाओं की कमी बाधा नहीं, बल्कि सफलता की प्रेरणा बन सकती है।

आगे की तैयारी

भारतीय टीम अब अंतरराष्ट्रीय कोचों और ट्रेनर्स की निगरानी में विशेष ट्रेनिंग कर रही है।

- फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- डिफेंस और अटैकिंग रणनीतियों को नए तरीके से सिखाया जा रहा है।
- विदेशी टीमों के खेल का वीडियो एनालिसिस भी कराया जा रहा है।

प्रदेश और देश में खुशी की लहर

जैसे ही राजस्थान की इस बेटी के चयन की खबर सामने आई, प्रदेशभर में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर लोग बधाई दे रहे हैं और खिलाड़ी को शुभकामनाएं भेज रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी उसे सम्मानित करने की घोषणा की है।

निष्कर्ष

एशियाई जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में राजस्थान की खिलाड़ी का चयन एक बड़ी उपलब्धि है। यह न सिर्फ उसकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। इस उपलब्धि से आने वाली पीढ़ियों को खेलों की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक चमकेगा।